

**Dr.Uttam Kumar**

**SRAP College,Barachakia**

**Mob no-8210561032**

**Faculty -Commerce**

**Subject -Business Organisation**

**Class -2nd Semester**

**Session-2023-27**

# **Topic**

**Meaning Of Business Organisation**

## व्यावसायिक संगठन का अर्थ, परिभाषाएँ

(MEANING, DEFINITIONS OF BUSINESS ORGANISATION)

### अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions)

अर्थ—'व्यावसायिक संगठन' से हमारा तात्पर्य किसी व्यवसाय को एक निश्चित योजना के अनुसार चलाना तथा न्यूनतम व्यय पर अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना है। इस प्रकार, जब उत्पादन के तीन प्रमुख अंगों—भूमि, श्रम और पूँजी का विनियोजन उत्पादन अथवा धन प्राप्ति के लिए व्यावसायिक साहस (Business Enterprise) के साथ एक निश्चित योजना के अनुसार कर लिया जाता है, तब 'व्यावसायिक संगठन' का निर्माण होता है।

व्यावसायिक संगठन का प्रयोग निम्न दो अर्थों में किया जा सकता है—**प्रथम, संज्ञा (Noun) के रूप में**—'व्यावसायिक संगठन' एकाकी व्यवसाय, संयुक्त परिवार व्यवसाय, साझेदारी व्यवसाय, कम्पनी व्यवसाय, सहकारी अथवा राजकीय व्यवसाय के रूप में हो सकते हैं। **द्वितीय, क्रिया (Verb) के रूप में**—'व्यावसायिक संगठन' ऊपर वर्णित किसी व्यवसाय की आन्तरिक क्रियाओं के संगठन को सम्बन्धित करता है, जिसके अन्तर्गत किसी व्यवसाय के स्वरूप का निर्धारण, व्यवसाय की नीतियों का निर्धारण, व्यवसाय के विभिन्न विभागों का नियोजन, व्यवसाय की विभिन्न क्रियाओं का निरीक्षण तथा अपनायी गयी नीतियों एवं सिद्धान्तों का पुनरावलोकन जैसे कार्य किये जाते हैं।

**परिभाषाएँ**—व्यावसायिक संगठन की कुछ प्रमुख विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं :

(1) **स्टीफेन्सन (Stephenson)** के अनुसार, "व्यावसायिक संगठन से आशय सामान्यतः व्यापार अथवा उसी प्रकार की किसी अन्य व्यवसाय की गतिविधियों के संचालन एवं नियन्त्रण करने से है।"

(2) **एल. एच. हैने** के अनुसार, "एक व्यावसायिक इकाई भूमि, श्रम तथा पूँजी का स्वतन्त्र मिश्रण है जो साहसी की योग्यता द्वारा उत्पादन सम्बन्धी उद्देश्य के लिए संगठित तथा संचालित की जाती है।"

(3) **जेम्स एल. लुण्डी (James L. Lundy)** के अनुसार, "व्यावसायिक संगठन एवं प्रबंध का प्रमुख कार्य नियोजन, समन्वय तथा प्रेरणा प्रदान करना है तथा किसी विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ति हेतु अन्य व्यक्तियों के कार्य को नियन्त्रित करना है।"

(4) **विलियम एच. न्यूमैन (William H. Newman)** के अनुसार, "व्यावसायिक संगठन का आशय किसी सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कुछ व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों का पथ-प्रदर्शन, नेतृत्व एवं नियन्त्रण करने से है।"

(5) **ई. एफ. एल. ब्रेच (E. F. L. Brech)** के अनुसार, "व्यावसायिक संगठन किसी उद्योग का वह कर्तव्य है जोकि उन विधियों के निर्माण एवं सम्पादन से सम्बन्धित है जो कार्यक्रम निश्चित करती हैं, कार्यकलापों की प्रगति का नियमन करती हैं तथा योजनाओं के सन्दर्भ में उनके परिणामों का मूल्यांकन करती हैं।"

(6) **आर. बी. बोस (R. B. Bose)** के अनुसार, "व्यावसायिक संगठन उन समस्त कार्यों की ओर संकेत करता है जो व्यवसाय को भली-भाँति संचारित करके एवं उसके उद्देश्यों की पूर्ति मनुष्य, पदार्थ एवं यन्त्रों में संरचनात्मक सम्बन्ध की रचना करते हैं।"

**निष्कर्ष**—उपयुक्त परिभाषा—उपर्युक्त परिभाषाओं का अध्ययन करने के पश्चात् व्यावसायिक संगठन की निष्कर्ष रूप में एक उपयुक्त एवं संक्षिप्त परिभाषा निम्न शब्दों में दी जा सकती है—“व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग की समृद्धि के लिए इनके विभिन्न साधनों में प्रभावपूर्ण सहकारिता एवं सामंजस्य स्थापित करने की कला का नाम ही व्यावसायिक संगठन है।”<sup>2</sup>

## व्यावसायिक संगठन के लक्षण अथवा विशेषताएँ

(CHARACTERISTICS OF BUSINESS ORGANISATION)

व्यावसायिक संगठन के प्रमुख लक्षण अथवा विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(1) **व्यक्तियों का समूह**—व्यावसायिक संगठन, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है, व्यक्तियों का समूह है जिसका आकार आवश्यकता के अनुसार छोटा अथवा बड़ा हो सकता है। इसमें समन्वय एवं नियन्त्रण की आवश्यकता होती है, जोकि अधिक व्यक्तियों की स्थिति में ही सम्भव है।

(2) **पूर्व-निर्धारित लक्ष्य एवं उद्देश्य**—व्यावसायिक संगठन के निर्धारित लक्ष्य एवं उद्देश्य होते हैं जिन्हें प्राप्त करने के लिए इसकी रचना की जाती है, व्यक्तियों के मध्य कार्यों, साधनों एवं उत्तरदायित्वों का विभाजन किया जाता है तथा उनकी क्रियाओं में समन्वय स्थापित किया जाता है।

1 "A business unit may be defined as a more or less independent complex of land, labour and capital, organised and directed for productive purposes by entrepreneurial ability."  
—L.H. Haney

2 "Business Organisation is the art of establishing effective co-operation and adjustment between the various means of Trade, Commerce and Industry."